2019

HINDI

(Modern Indian Language)

(हिन्दी काव्य-धारा)

Full Marks : 60

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×7=7

(क) कबीरदास निर्गुणधारा के अंतर्गत किस शाखा के कवि हैं?

(ख) किस कवि का उपनाम 'एक भारतीय आत्मा' है?

(ग) 'दिनकर' का पूरा नाम लिखिए।

(घ) 'बरगीत' के रचयिता कौन हैं?

(ङ) 'कुंकुंम' काव्य-संग्रह के रचयिता कौन हैं?

(च) भारतेन्दु हरिश्चंद्र किस संप्रदाय के अनुयायी थे?

(छ) 'आत्मपरिचय' शीर्षक कविता के कवि का नाम लिखिए।

2. अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×4=8

(क) 'भ्रमरगीत' का अर्थ क्या है? स्पष्ट कीजिए।

(ख) "मैं जग जीवन का भार लिए फिरता हूँ"—का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) पुष्प के जीवन की प्रमुख अभिलाषाएँ क्या-क्या हैं?

(घ) "द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र"—का आशय स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×3=15

(क) 'गोकुल लीला' के आधार पर श्रीकृष्ण के सौंदर्य का एक शब्द-चित्र प्रस्तुत कीजिए।

(ख) विद्यापति का संक्षिप्त साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ग) पठित पदों के आधार पर मीराँबाई की भक्ति-भावना पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

(घ) "बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ!"—का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ङ) आपकी पाठ्य-पुस्तक के किसी एक बरगीत का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।

4. 'अशोक की चिंता' कविता का सारांश लिखिए। 10

अथवा

भारतेन्दु हरिश्चंद्र के साहित्य का मूल्यांकन कीजिए।

5. 'तोड़ती पत्थर' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं? स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

'चित्रकूट में सीता' शीर्षक कविता के आधार पर सीता के मनोभावों का एक शब्द-चित्र प्रस्तुत कीजिए।

6. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

रटत रटत रसना लटी तृषा सूखि गे अंग।
तुलसी चातक प्रेम को नित नूतन रुचि रंग॥

अथवा

किसको आराधूँ चलूँ कहाँ?
किसकी मुरली को सुनूँ कहाँ?
किसका अधरामृत पीऊँ कहाँ?
किस अग्नि-लोक में जीऊँ कहाँ?
जिससे छूटे बंधन-विचार...
बह चली, आह! कैसी बयार!

★★★